भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

10.03.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 1445

परमाणु संयंत्रों की क्षमता वृद्धि की योजना

1445. **श्री पि. भट्टाचार्य:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **देश के विभिन्न परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता वृद्धि संबंधी योजनाओं का ब्यौरा क्या है;**

(ख) **क्या सरकार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने का विचार कर रही है; और**

(घ) **यदि हाँ, तो कौन-कौन से राज्यों में भविष्य में नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित किए जाने का विचार है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) **सरकार ने, जुलाई 2014 में, तत्कालीन क्षमता 4780 मेगावाट को अगले 10 वर्षों अर्थात् 2024 तक तीन गुणा करने की घोषणा की है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए कुडनकुलम, तमिलनाडु स्थित 1000 मेगावाट क्षमता के एक यूनिट केकेएनपीपी-1 का वाणिज्यिक रूप से प्रचालन आरंभ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कमीशनाधीन/निर्माणाधीन/उनकी अवस्थिति और राज्य सहित संस्वीकृत नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं का विवरण नीचे सारणीबद्ध किया गया है:**

नाभिकीय विद्युत परियोजना	अवस्थिति तथा राज्य	क्षमता (मेगावाट)	स्थिति
कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी) यूनिट-2	कुडनकुलम, तमिलनाडु	1x1000	कमीशनाधीन। वर्ष 2016-17 तक पूरा होने की आशा है।
काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना (केएपीपी) यूनिट- 3 तथा 4	काकरापार, गुजरात	2x700	निर्माणाधीन। वर्ष 2019 तक पूरा होने की आशा है।
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना (आरएपीपी) यूनिट 7 तथा 8	रावतभाटा, राजस्थान	2x700	

प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर)	कलपाक्कम, तमिलनाडु	1x500	वर्ष 2016-17 तक पूरा होने की आशा है।
गोरखपुर अणु विद्युत परियोजना (जेएचएवीपी) यूनिट- 1 तथा 2	गोरखपुर, हरियाणा	2x700	परियोजना को वित्तीय संस्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसे आंरभ करने के लिए तैयार किया जा रहा है।
कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी) यूनिट-3 तथा 4	कुडनकुलम, तमिलनाडु	2x1000	परियोजना को वित्तीय संस्वीकृति प्रदान कर दी गई है। खुदाई का कार्य आरंभ हो चुका है।

2x700 मेगावाट क्षमता वाली एक अन्य स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्युआर) परियोजना की भी योजना है।

(ख) जी, हाँ।

(ग) सरकार ने, भविष्य में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने के लिए निम्नलिखित स्थलों हेतु "सैद्धांतिक रूप से" अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

अवस्थिति तथा राज्य	क्षमता (मेगावाट)
स्वदेशी रिएक्टर	
गोरखपुर, हरियाणा (यूनिट 3 तथा 4)	2 x 700
चुटका, मध्य प्रदेश	2 x 700
माही बांसवाड़ा, राजस्थान	4 x 700
कैगा, कर्नाटक	2 x 700
भीमपुर, मध्य प्रदेश	4 X 700
कलपाक्कम, तमिलनाडु	2 X 600
विदेशी तकनीकी सहयोग वाले रिएक्टर	
कुडनकुलम, तमिलनाडु(यूनिट 5 तथा 6)	2 x 1000
जैतापुर, महाराष्ट	6 x 1650
कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश	6 x 1000*
छाया मीठी विरदी, गुजरात	6 x 1000*
हरिपुर, पश्चिम बंगाल	6 x 1000*

**नाममात्र क्षमता*

****